

गया के ब्रह्मयोनपिहाड़ी पर मलिा गुडमार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में शोधकर्त्ताओं की एक टीम ने बहिर के गया में ब्रह्मयोनपिहाड़ी पर औषधीय पौधों की एक शृंखला की खोज की, जिसमें **जमिनेमा सलिवेस्ट्रे** (आमतौर पर गुडमार के रूप में जाना जाता है) एक उल्लेखनीय खोज है जिस मधुमेह रोधी जड़ी बूटी के रूप में जाना जाता है।

मुख्य बदि

- **वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परषिद (CSIR)** ने पहले ही मधुमेह रोधी दवा **BGR-34** विकसित करने में इस औषधीय जड़ी-बूटी का उपयोग किया है।
- गुडमार में **जमिनेमिक एसडि (Gymnemic Acid)** की उपस्थतिके कारण यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने की वशिष क्षमता रखता है। यह आँत की बाहरी परत में रसिप्टर साइटों पर प्रभाव डालकर कार्य करता है, जिससे **मठिस की इच्छा पर नयितरण** पाया जा सकता है।
 - परणामस्वरूप आँत कम शर्करा अणुओं को अवशोषित करती है, जिसके कारण रक्त शर्करा का स्तर कम हो जाता है।
 - इसके अलावा इस पौधे में फ्लेवोनोइड्स और सैपोनिन्स होते हैं, जो लपिडि चयापचय को वनियमति करने में सहायता करते हैं।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परषिद (CSIR)

- CSIR भारत में सबसे बड़ा अनुसंधान और विकास (R&D) संगठन है। **CSIR अखलि भारतीय स्तर का संगठन** है और इसका 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 आउटरीच केंद्रों, 3 नवाचार परसिरोँ और 5 इकाइयों का एक गतशील नेटवर्क है।
- **स्थापना:** सतिंबर 1942
- **मुख्यालय:** नई दलिली
- CSIR को **वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** द्वारा वत्ति पोषित किया जाता है और यह **सोसायटी पंजीकरण अधनियम, 1860** के माध्यम से एक **स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है**।
- CSIR वभिन्न क्षेत्रों को कवर करता है - रेडियो और अंतरिक्ष भौतिकी, समुद्र वजिज्ञान, भूभौतिकी, रसायन, औषधि, जीनोमकिस्, जैव प्रौद्योगिकी और नैनो प्रौद्योगिकी से लेकर खनन, वैमानिकी, उपकरण, पर्यावरण इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी तक।
 - यह **सामाजिक प्रयासों** से संबंथति कई क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण तकनीकी हस्तक्षेप प्रदान करता है जिसमें **पर्यावरण, स्वास्थ्य, पेयजल, भोजन, आवास, ऊर्जा तथा कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्र** शामिल हैं।